नईदुनिया

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान जोरदार तेजी का रुख बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर लिवाली का रुख बना हुआ है।

चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयर में आई बड़ी गिरावट की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में दबाव का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स सपाट स्तर पर 0.01 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 7,483.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 207.36 अंक यानी 0.80 प्रतिशत टूट कर 25,832.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 114.17 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,014.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 174.53 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,652.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 137.57 अंक यानी 1.62 प्रतिशत उछल कर 8,474.86 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 540.60 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,580.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में भी ज्यादातर शेयर बाजार में खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता ताइवान वेटेड इंडेक्स 320.16 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,424 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 148 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,405.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,056.78 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 242.92 अंक यानी 3.08 प्रतिशत उछल कर 7,891.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में भी जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 121.94 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,866.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 331.97 अंक यानी 1.42 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,387 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,613.27 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 566.85 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 69,300 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,237.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

कुसुमगर लि. का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 398-419 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। सिंथेटिक फैब्रिक बनाने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 08 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 10 जुलाई, 2026 तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398–419 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा और 10 जुलाई, 2026 को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेश 7 जुलाई को बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398–419 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 650 करोड़ रुपये का आफर फारसेल (ओएफएस) है। कंपनी के 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी अपने पात्र कर्मचारियों के लिए 3.5 करोड़ रुपये के शेयर आरक्षित किए हैं, जो उन्हें अंतिम निर्गम मूल्य पर 39 रुपये प्रति शेयर की छूट पर प्राप्त होंगे। इसके शेयरों के अलाटमेंट को 13 जुलाई तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर 15 जुलाई को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि 1990 में स्थापित ये कंपनी बुने हुए लेपित और लेमिनेटेड सिंथेटिक कपड़ों की निर्माता है, जिन्हें इंजीनियर्ड कपड़े कहा जाता है। कुसुमगर लिमिटेड कंपनी पालियामाइड्स और पालिएस्टर फिलामेंट्स और पालीयूरेथेन रसायन विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंजीनियर कपड़े और समाधान प्रदान करती है, जो अपने ग्राहकों की उच्च–प्रदर्शन आवश्यकताओं को पूरा करती है।

ई-रिक्शा रिमोट शटडाउन विवाद में सरकार ने दो चीनी ऐप हटवाए

नई दिल्ली। चीन के स्मार्टफोन ऐप के ज़रिए ई–रिक्शा के रिमोट शटडाउन की चिंताजनक खबरों के बाद, सरकार ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की है। शुक्रवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने पुष्टि की कि दो ऐसे ऐप की पहचान कर उन्हें ऐप स्टोर से हटा दिया गया है। इस घटना ने इंटरनेट से जुड़े वाहन प्रबंधन प्रणालियों की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला गुरुवार को तब सुर्खियों में आया जब कुछ ई–रिक्शा को चीन के स्मार्टफोन ऐप बैट–बीएमएस के रिमोट शटडाउन फीचर का उपयोग करके बंद किए जाने के वीडियो सामने आए। कृष्णन ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साइबर सुरक्षा सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि यह सही है... हमें ऐसे दो ऐप की जानकारी मिली और दोनों को ऐप स्टोर से हटा दिया गया है। सरकार अब इस मुद्दे को ऐप स्टोर्स के समक्ष उठाएगी ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि संभावित रूप से नुकसान पहुंचाने वाले ऐप भविष्य में उपलब्ध न हों। यह घटना इंटरनेट आफ थिंग्स आधारित वाहनों की सुरक्षा पर व्यापक बहस छेड़ रही है।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50 सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने 150 अरब जुटाए, क्यूआईपी का आकार बढ़ाया

कंपनी ने अपनी शेयर बिक्री का लक्ष्य 100 अरब से बढ़ाकर 150 अरब किया; 48 घंटे में हुई डील

नई दिल्ली

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपनी संस्थागत निवेशकों के लिए शेयर बिक्री (क्यूआईपी) के ज़रिए 150 अरब रुपये (लगभग 1.6 अरब डालर) सफलतापूर्वक जुटाए हैं। कंपनी ने वैश्विक और घरेलू फंड्स से मिली ज़बरदस्त मांग को देखते हुए अपनी इस शेयर बिक्री का आकार शुरुआती 100 अरब रुपये से बढ़ाकर 150 अरब रुपये कर दिया। यह आफर 1.5 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। कंपनी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के माध्यम से यह फंड जुटाया, जो लिस्टेड कंपनियों के लिए आम निवेशकों के बजाय सीधे बड़े संस्थागत निवेशकों को शेयर जारी करने का एक तरीका है। ब्लूमबर्ग द्वारा देखी गई डील की शर्तों के अनुसार, यह आफर शुक्रवार को 1.5 गुना सब्सक्राइब किया गया। निवेशकों में दुनिया की कुछ सबसे बड़ी इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनियां जैसे द कैपिटल ग्रुप, गोल्डमैन सैक्स ग्रुप, वैनगार्ड ग्रुप और ब्लैकराक शामिल थीं। वहीं, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट जैसी प्रमुख घरेलू म्यूचुअल फंड कंपनियों ने भी इसमें ज़ोरदार हिस्सेदारी ली। डील की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, लान्च से पहले ही आर्डर बुक पूरी तरह भर गई थी, जिसके चलते इन्वेस्टर रोडशो सहित पूरी डील मात्र 48 घंटे के अंदर पूरी हो सकी। इस मांग में मुख्य रूप से घरेलू संस्थागत निवेशकों का दबदबा रहा, जिनका सब्सक्रिप्शन में लगभग 65% हिस्सा था, जबकि बाकी 35% हिस्सा वैश्विक निवेशकों का था। अदाणी एंटरप्राइजेज ने इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स को 2,883 रुपये प्रति शेयर की अनुमानित कीमत पर 3.47 करोड़ (34.7 मिलियन) तक शेयर आफर किए, जो गुरुवार की क्लोजिंग कीमत 3,177.50 रुपये से लगभग 9 फीसदी कम थी। कंपनी इस जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल अपने विभिन्न कारोबारों में पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के लिए करेगी।

सब्सिडी वाले खाद संग विशेष उर्वरक थोपना अवैध, आईएमएमए ने जताई चिंता

गांधीनगर। इंडियन माइक्रो फर्टिलाइजर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमएमए) ने सब्सिडी वाले यूरिया और डीएपी के साथ जैव–उत्तेजक (बायोस्टिमुलेंट), जल–घुलनशील उर्वरक तथा सूक्ष्म पोषक तत्व (माइक्रोन्यूट्रिएंट) जैसे विशेष उर्वरकों को जबरन बेचने (टैगिंग) की प्रथा को अवैध करार दिया है। एसोसिएशन का कहना है कि यह किसानों के साथ–साथ लगभग एक अरब डालर (करीब 8,200 करोड़ रुपये) के विशेष उर्वरक उद्योग दोनों को नुकसान पहुंचा रही है। आईएमएमए के एक अधिकारी ने विशेष फर्टिलाइजर समिट एंड बी2बी एक्सपो 2026' में बताया कि डीलर बिक्री के समय बिना सब्सिडी वाले विशेष उत्पादों को सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ जोड़कर बेच रहे हैं, जिससे किसानों को अनावश्यक उत्पाद खरीदने पड़ते हैं। यह प्रथा वर्षों की मेहनत से स्थापित वैध ब्रांडों की साख को भी प्रभावित कर रही है। एसोसिएशन ने इस गतिविधि को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत अनुचित व्यापार और प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत प्रतिबंधित टाई–इन अरेंजमेंट बताया। साथ ही, यह उर्वरक (नियंत्रण) आदेश (एफसीओ) की धारा 31 के तहत दंडनीय है, जिसमें डीलर का लाइसेंस निलंबित या रद्द करने का प्रावधान है। आईएमएमए ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के उस फैसले का भी हवाला दिया, जिसने टैगिंग' को बाजार में प्रभुत्व के दुरुपयोग के रूप में माना था। आईएमएमए के अनुसार, कई राज्यों ने टैगिंग' के खिलाफ कार्रवाई की है। एसोसिएशन ने इस जबरन बिक्री को राष्ट्रीय आवश्यकता बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की, ताकि किसानों, डीलरों और विशेष उर्वरक क्षेत्र से जुड़े सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की रक्षा हो सके। आईएमएमए सितंबर में होने वाले सरकारी नीति संवाद और फरवरी में राष्ट्रीय फसल पोषण शिखर सम्मेलन में भी इस मुद्दे को उठाएगा। विशेष उर्वरकों का संयुक्त बाजार 91.8 करोड़ डालर का है, जिसमें जैव–उत्तेजक सबसे तेजी से बढ़ने वाला खंड है।

गुजरात और असम के क्षेत्रों में नेटवर्क गुणवत्ता की जांच में बीएसएनएल का प्रदर्शन सबसे खराब

नई दिल्ली

असम और गुजरात के कुछ जिलों के अलग-अलग क्षेत्रों में धरातलीय स्तर पर इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के दौरान बीएनएनएल का नेटवर्क सबसे खराब दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे नंबर पर वोडाफोन-आइडिया रहा। इसके बाद एयरटेल और अगले स्थान पर जियो का रहा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार जांच में मुख्य रूप से असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिला तथा गुजरात का भरूच शहर और आसपास के इलाकों सहित 11 हाटस्पाट को शामिल किया गया था।

ड्राइव टेस्ट में सभी टीएसपी के सिम कार्ड 2जी, 3जी, 4जी और 5जी का उपयोग किया गया है। इसके माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि सार्वजनिक स्थलों सहित अन्य स्थलों पर नेटवर्क की स्पीड कितनी है।

जांच के दौरान पता चला है कि बेहतर नेटवर्क गुणवत्ता के दावे के बावजूद इसमें कवरेज गैप, वायस सर्विस, काल साइलेंस इंस्टेंस और डेटा सर्विस जैसी खामियां पाई गई हैं।

ट्राई के जयपुर रीजनल आफिस की देखरेख में गुजरात में यह टेस्ट 5 से 8 मई 2026 के बीच किया गया था, जिसमें 361.2 किलोमीटर तक ड्राइव टेस्ट का उपयोग किया गया। यह टेस्ट ट्राई सेवा की गुणवत्ता के मुख्य पैमानों जैसे कवरेज, काल ड्राप रेट (सीडीआर), काल सेटअप सक्सेस रेट (सीएसएसआर), डेटा डाउनलोड और अपलोड थ्रूपुट आदि पर टीएसपी के प्रदर्शन को रिकार्ड करता है।

इससे पहले मई 2026 में किए गए इस टेस्ट में वायस काल और डेटा स्पीड के मामले में रिलायंस जियो (आरजीआईएल) और भारती एयरटेल का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा जबकि सरकारी टेलीकाम कंपनी बीएसएनएल और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) कई पैमानों पर पिछड़ती नजर आईं।

उवला योजना : अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

नई दिल्ली। उवला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उवला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,630 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है।

सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,45,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है।

फ्रांसीसी कंपनियों को विकसित भारत में भागीदार बनने के लिए वित्त मंत्री का न्योता

सीतारमण ने कहा, भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार हो रही है मजबूत

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस के कारोबारियों और निवेशकों को विकसित भारत 2047 की यात्रा में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए काम करने की जरूरत पर जोर दिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित भारत–फ्रांस व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देश तकनीक, नवाचार, ऊर्जा और डिजिटल विकास के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने फ्रांसीसी निवेशकों से जीवन विज्ञान, टीके, सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), नैदानिक अनुसंधान, सटीक चिकित्सा और डिजिटल स्वास्थ्य में दोनों देशों की पूरक शक्तियों का लाभ उठाकर स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया, ताकि लचीली स्वास्थ्य सेवा मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा सके।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस एआई के क्षेत्र में भरोसेमंद साझेदार हैं। उन्होंने बताया कि भारत में लगभग 1 हजार फ्रांसीसी कंपनियां काम कर रही हैं। निर्मला सीतारमण ने भारत के वित्तीय परिवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) एक प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में उभरा है। वित्त मंत्री ने बताया कि जून 2026 तक इसके साथ 1,200 से अधिक संस्थाएं पंजीकृत थीं, जबकि बैंकिंग परिसंपत्तियां 111 अरब अमेरिकी डालर और संचयी बैंकिंग लेनदेन 176 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग, कोष प्रबंधन, पट्टे (लीजिंग), वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी), पुनर्बीमा और टिकाऊ वित्त जैसे क्षेत्रों में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को आकार देने में विश्वसनीय साझेदार हैं और विश्वसनीय एआई, डिजिटल अवसंरचना तथा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में सहयोग का दायरा बढ़ा सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि आधार, यूपीआई, डिजिलाकर, ओएनडीसी और इंडिया स्टैक जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से संचालित भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान का लगभग आधा हिस्सा संभालती है।